
Shri Vishvanathastotram

——
श्रीविश्वनाथस्तोत्रम्

——
Document Information



Text title : vishvanAthastotram

File name : vishvanAthastotram.itx

Category : shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Description/comments : From Shivastotraratnakara, Gita press

Latest update : October 1, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 22, 2022

sanskritdocuments.org



श्रीविश्वनाथस्तोत्रम्



उपहरणं विभवानां संहरणं सकलदुरितजालस्य ।
उद्धरणं संसाराच्चरणं वः श्रेयसेऽस्तु विश्वपतेः ॥ १ ॥

समस्त ऐश्वर्याको प्रदान करनेवाले तथा समस्त पापसमूहोंका
नाश करनेवाले एवं संसारसे उद्धार करनेवाले भगवान शंकरके
चरण आपलोगोंके लिये मंगलदायक होम् ॥ १ ॥

भिक्षकोऽपि सकलेप्सितदाता प्रेतभूमिनिलयोऽपि पवित्रः ।
भूतमित्रमपि योऽभयसत्री तं विचित्रचरितं शिवमीडे ॥ २ ॥


स्वयं भिक्षुक होते हुए भी समस्त प्राणियोंको अभिलाषाओंको
पूर्ण करनेवाले तथा प्रेतोंको अपवित्र भूमि-श्मशानमें रहनेपर भी
स्वयं पवित्र और भूतोंके मित्र (साथ) रहनेपर भी अभयका सत्र
चलानेवाले (अभय प्रदान करनेवाले) ऐसे विचित्र चरित्रवाले
शिवकी मैं स्तुति करता हूँ ॥ २ ॥

॥ इति श्रीविश्वनाथस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥


॥ इस प्रकार श्रीविश्वनाथस्वोत्र सम्पूर्ण हुआ ॥

देव बड़े, दाता बड़े संकर बड़े भोरे ।
किये दूर दुख सबनिके, जिन्ह-जिन्ह कर जोरे ॥
सेवा, सुमिरन, पूजिबौ, पात आखत थोरे ।
दिये जगत जहँ लागि सबै, सुख, गज, रथ, घोरे ॥
गाँव बसत बामदेव, में कबनहूँ न निहोरे ।
अधिभौतिक बाधा भई, ते किंकर तोरे ॥
बेगि बोलि बलि बरजिये, करतूति कठोरे ।
तुलसी दलि, सूँध्यो चहँ सठ साखि सिहोरे ॥

Proofread by Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

——
Shri Vishvanathastotram

pdf was typeset on November 22, 2022

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

